

# भाव

(रामायणान्तर्गत आदर्श भाव-प्रेम की माँकी)



प्रेम-त्याग-कर्तव्य-त्रिवेनी ।  
'भाव' यह आदर्श-नसेनी ॥

८१२.८  
गुप्त/भा

३४-४४

